Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

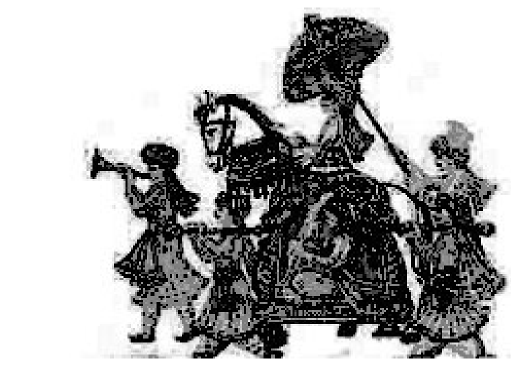

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

राज्य में कोरोना पॉजिटिव की संख्या पहुंची 52

कोरोना संकट

एम्स में भर्ती न्यूरो मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में कोरोना वायरस कोविड 19 से संक्रमित एक और मरीज के मिलने की पुष्टि हुई है और राज्य में अब मरीजों की संख्या 52 हो चुकी है। राज्य में लगातार ऐसे मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है।

यहां मिली जानकारी के अनुसार ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती न्यूरो मरीज नैनीताल निवासी एक महिला में कोरोना वायरस कोविड–19 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस अवसर पर एम्स प्रशासन के अनुसार एम्स में 22 अप्रैल से भर्ती एक महिला का यहां आईसीयू में उपचार चल रहा है। एम्स प्रशासन के अनुसार, नैनीताल निवासी इस 56 वर्षीय महिला को ब्रेन स्ट्रोक के बाद इंटरनल ब्लीडिंग की शिकायत थी। इस अवसर पर एम्स के जनसंपर्क अधिकारी डॉ हरीश मोहन थपलियाल ने बताया कि इस मामले में सभी आवश्यक कदम एम्स प्रशासन उठा रहा है।

ऋषिकेश एम्स में कोविड–19 का यह दूसरा मामला है। इससे पूर्व यहां के नर्सिंग अधिकारी कि रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है।

उन्होंने बताया कि एम्स परिसर में ही दूसरा मामला सामने आने के बाद हड़कंप मचा है। उन्होंने कहा कि इसके साथ एम्स में उसके संपर्क में आए छह चिकित्सकों सहित 22 लोगों को क्वारंटाइन कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं बीस जिस घर में युवक रहता है, उसमें रहने वाले चार लोगों सहित पड़ोस के दो दुकानदारों व एक दूध सप्लायर सहित सात अन्य लोगों को भी क्वारंटाइन में भेजा गया था।

उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमित नर्सिंग अधिकारी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। सोमवार को एम्स की ओर से संकायाध्यक्ष अस्पताल प्रशासन प्रोफेसर यू बी मिश्र ने बताया कि नर्सिंग ऑफिसर की स्थिति में धीरे धीरे सुधार हो रहा है, उसे आइसोलेशन वार्ड में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि यूरोलॉजी आइपीडी वार्ड को क्वारंटाइन वार्ड घोषित कर दिया गया है, उन्होंने कहा कि साथ ही इस वार्ड से जुड़े सभी सीनियर व जूनियर रेजिडेंट्स चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, अन्य स्टाफ व मरीजों को क्वारंटाइन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है और लगातार उपचार चल रहा है।

देश के 80 जिलों में 7 दिन से कोई केस नहीं

देश में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़तोरी भले ही हो रही हो लेकिन देश कई जिलों में पिछले कुछ समय से कोविड–19 का कोई केस नहीं आया है। कई जिले तो ऐसे हैं जहां करीब महीने भर से कोई मरीज नहीं मिला है। देश में कोरोना महामारी को फैलने से रोकने के लिए 3 मई तक लॉकडाउन है। ऐसे में कोरोना के खिलाफ गुड न्यूज ने हौसला बढ़ाया है। हर्षवर्धन ने बताया कि देश के 80 जिलों में पिछले 7 दिनों से एक भी कोरोना का मामला सामने नहीं आया है। यहीं नहीं, देश के 47 जिलें ऐसे हैं जहां पिछले 14 दिनों में एक भी कोविड–19 का केस नहीं आया है।

न्यूज डायरी

नेपाल में 7 मई तक बडा लाकडाउन

संवाददाता पिथौरागढ। नेपाल सरकार ने दस दिन और लाकडाउन बडा दी है। वही अब नेपाल में सात मई तक लाकडाउन रहेगा। ताजा जानकारी के मुताबिक नेपाल में अब अन्तराष्टीय सीमा 13 मई तक सील रहेगी। रविवार को नेपाल सरकार की उच्च स्तरीय समन्वय समिति की काठमांडू में बैठक हुई। बता दें कि अब तक भारत में फंसे नेपाली नागतिकों के मामले पर कोई निर्णय नही लिया गया है। वही नेपाल सरकार द्वारा इस मामले पर कोई निर्णय नही लिये जाने के कारण नेपाल के मजदूरों में मायूसी देखने को मिल रही है।

जनपद में अब तक 25 वाहन हुए सीज

संवाददाता पिथौरागढ। लाकडाउन में छूट के दौरान नगर में जबरन वाहन लेकर घूमने वालों के खिलाफ पुलिस प्रशासन सख्त मूड में नजर आ रहा है। कोतवाल ओ पी शर्मा ने बताया कि मुख्यालय में अब तक पचीस वाहनों का चालान कर 12500 रूपये का समायोजन शुल्क वसूला गया है। कोतवाल ने बताया कि लाकडाउन का उल्लंघन करने वालों को किसी भी हाल में नही बख्शा जायेगा।

अशोक वर्मा ने किये संगतों के दर्शन, की हौसलाफजाई

संवाददाता देहरादून। गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब नेहरू कॉलोनी में पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तराखंड सरकार के पूर्व अध्यक्ष अशोक वर्मा ने संगतो के दर्शन किए और सेवा में लगी संगत का हौसलाफजाई की और इस अवसर पर लंगर में सहयोग भी किया। इस अवसर पर आज गुरुद्वारा नेहरू कॉलोनी से 1000 संगत को लंगर वितरित किया और 500 पैकेट नेहरू कॉलोनी थाना और रायपुर थाना में और 250 पैकेट अन्य जरूरतमंद लोगों को इस अवसर पर कुल 1750 पैकेट वितरित किये गये।

बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कोविड–19 के दौरान कॉन्टैक्टलेस एक्सपीरियंस प्रस्तुत किया

संवाददाता देहरादून। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने भारत में अपने ग्राहकों के लिए एक अद्वितीय कॉन्टैक्टलेस अनुभव प्रस्तुत किया है। 02 अप्रैल 2020 को प्रस्तुत बीएमडब्ल्यू कॉन्टैक्टलेस एक्सपीरियंस प्रोग्राम द्वारा ग्राहक नई व प्रि–ओन्ड बीएमडब्ल्यू कारें खरीद सकेंगेए सर्विस बुक कर सकतें तथा भुगतान ऑनलाईन सुरक्षित रूप से कर सकेंगे। मिस्टर आर्लिंडो टेक्सेराए प्रेसिडेंट यएक्टिंगद्धएबीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहाए बीएमडब्ल्यू में हमारा हर काम ग्राहकों पर केंद्रित है। महामारी की वर्तमान परिस्थिति में हमने न्यू.एज डिजिटल टेक्नॉलॉजीज का इस्तेमाल कर अपनी व्यवसायिक प्रक्रियाओं को परिवर्तित किया है।

गुजरात की तर्ज पर प्रदेश सरकार भी अन्य राज्यों में फंसे उत्तराखंड के लोगों को वापस लाए: प्रीतम

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि गुजरात की तर्ज पर उत्तराखंड के लोग जो अन्य राज्यों में फंसे हुए हैं उन्हें भी अपने राज्य में वापस लाने के लिए प्रदेश सरकार को कार्यवाही करनी चाहिए और सरकार को अपने स्तर पर निर्णय लेने की जरूरत है। आज कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रीतम सिंह ने कहा कि देवभूमि सेवा एप्प के माध्यम से हजारों लोगों ने संपर्क किया है उनके नाम व पते नोट किये गये हैं एक लंबी सूची तैयार की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री से समय मांगा गया है इस सूची को उन्हें सौंपकर शीघ्र ही दूसरे राज्यों में फंसे उत्तराखंड वासियों को वापस लाने के लिए दबाव बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बच्चों की फीस का बहुत बड़ा मुद्दा है, सरकार इस पर दबाव में निर्णय नहीं ले पा रही है व स्पष्ट कार्यवाही के निर्देश नहीं दे पा रही है। उन्होंने कहा कि तीन माह की फीस को पूरी तरह से माफ किया जाये और सरकार इसके लिए दिशा निर्देश जारी करे।

कीड़ा जड़ी का विदोहन लटका इलाके के लोगों में मायूसी

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। सीमांत जनपद पिथौरागढ की धारचुला और मुंसयारी तहसीलों के उच्च हिमालयी क्षेत्र में होने वाला कीड़ा जड़ी विदोहन अब तक शुरू नही हो पाने के कारण इलाके के लोगों में मायूसी देखने को मिल रही है। न के चलते बता दें कि देश व्यापी लाकडाउन के चलते क्षेत्र के लोगों को मायूसी से दो चार होना पड रहा हैं।

बता दें कि कीड़ा जड़ी विदोहन का काम करने की अनुमति न मिल पाने के कारण दोनों सीमांत तहसीलों के सैकडों परिवारों के लिए रोजी रोटी के लाने पडने जैसा साबित हो चुका है। जानकारी के मुताबिक लाकडाउन के चलते इलाके के लोगों को अब तक बुग्यालो के इलाके में जाने की प्रशासनिक अनुमति न मिल पाने के कारण क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें दिन रात बढ़ती नजर आ रही है। बता दें कि ऐसे हालातों में क्षेत्र के लोगों में रोजी रोटी के लिए लाले पड़ना स्वाभाविक तौर पर नजर आ रहा है।

शक्तिवर्धक होती है कीड़ा जड़ी

ताजा सूत्रों के मुताबिक कीड़ा जडी यारसा गम्बों को निकालने का काम अप्रैल माह में हर हाल में शुरू हो जाता है। अप्रैल माह भी निपटने को तैयार है लेकिन अब तक अनुमति न मिल पाना बेहद चिंता का विषय बना हुआ है। जहां अप्रैल माह शुरू होते ही कीड़ा जड़ी विदोहन का काम शुरू हो जाता था मगर दुसारी ओर क्षेत्र के ग्रमीणों को अब तक उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जाने की अनुमति नही मिल पायी है। ताजा जानकारी के मुताबिक ये यारसा गंबो कीड़ा जड़ी शक्ति वर्धक के रूप में काम करती हैं। अंतराष्ट्रीय बाजार में असकी कीमत आठ से दस लाख रूपये किलो तक होती है। इसको खरीदने वाले देशों में चीन का नाम शामिल है।

ताजा सत्रों के मुताबिक यह एक तरीके का कवक माने जाने वाली जड़ी बूटी बर्फ के नीचे तैयार होती है। वही बर्फ के पिघलने के बाद इसे निकाला जाता है। बता दें कि उतराखण्ड में इसके विदोहन की अब तक कोई ठोस नीति नही बन पाई है।

सरकार में 150 से ज्यादा दर्जाधारियों की लॉकडाउन में क्या जरूरत

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार हो या प्रदेश सरकार हो सभी कोरोना महामारी कोविड 19 के चलते कर्मचारियों के वेतन कटौती का निर्णय ले चुकी है। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि इनमे से कुछ दर्जाधारियों को छोड़कर कोई भी न तो जनता और न ही सरकार का कोई आर्थिक सहयोग कर रहा है बल्कि जनता पर बोझ बने हुए हैं। उन्होंने प्रदेश की राज्य सरकार को आईना दिखाते हुए कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि सरकार व जनता पर आर्थिक बोझ डाल रहे सरकार में 150 से ज्यादा दर्जाधारियों की लॉकडाउन में क्या जरूरत है। जब सरकारी कर्मचारी ही कोई काम नहीं कर पा रहे हैं। तो सरकार इन पर करोड़ों रुपये का खर्च क्यों कर रही है। यह दर्जाधारी कोरोना महामारी के दौरान जनता के पैसे को लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अगर इन दर्जाधारियों की जगह जनता का ख्याल करे तो जनता को कुछ तो राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सांसदो, विधायकों, सरकारी कर्मचारियो व पेंशनरों के वेतन में कटौती की गई है।